Page

सिल्वर वैडिंग

प्र०:- यशोधर बाबू की पत्नी समय के साथ ढल सकने में सफल होती है, लेकिन यशोधर बाबू असफल रहते हैं, ऐसा क्यों ?

उ०:- यशोधर बाबू की समझदार एवं चतुर है। वह आधुनिक समय के नए विचारों में ढलना जानती है। आज व्यवहारिक ज्ञान भी यही सिखाता है कि समय के अनुसार परिवर्तन करने वाले मनुष्य का परिवार, समाज साथ देता है। किन्तु यशोधर बाबू अपने परंपरागत सिद्धान्तों में बने रहने के कारण अपने परिवार के साथ सामंजस्य नहीं बैठा पाते और धीरे-धीरे हाशिए पर चले जाते हैं।

प्र०:- पाठ में 'जो हुआ होगा' वाक्य में आप कितनी अर्थ छवियाँ खोज सकते हैं ?

उ०:- इस वाक्य में अनेक अर्थ छवियाँ हो सकती हैं:- पता नहीं, क्या हुआ ? या किसन दा की निराशा और किसन दा के प्रति लोगों का ध्यान न जाना।

प्र० वर्तमान समय में परिवार की संरचना स्वरूप से जुड़े आपके अनुभव इस कहानी में कहाँ तक सामंजस्य बैठा पाते हैं ?

उ०:- वर्तमान समय में आधुनिक और प्राचीन पीढ़ी के विचारों में मतभेद का द्वंद्व रहता है। सिद्धान्तों और व्यवहार में अंतर बढ़ता जा रहा है।

इसके कारण परिवार बिखर रहे हैं यशोधर बाबू अपनी पुरानी सोच न बदल पाने के कारण आधुनिक समय में समाज में आए बदलाव से परेशान है। यद्यपि उनकी परेशानी निरर्थक है, परिवर्तन संसार का नियम है अतः परिवर्तन के साथ चलने वाला ही सफल है।

प्र०:- कहानी की मूल संवेदना आप किसे मानते हैं और क्यों?

उ०:- कहानी की मूल संवेदना पीढ़ियों का अंतराल है, क्योंकि पश्चिमी सभ्यता आज पूरे विश्व में छाई है जिससे मानव मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं, यशोधर बाबू को इन्हीं विचारों का दंश भोगने को मजबूर हैं, पीढ़ी का अंतराल ज्यादा बढ़ जाने से यशोधर बाबू दुखी रहने लगे।

प्र०:- अपने घर और विद्यालय के आसपास हो रहे उन बदलावों के बारे में लिखें जो सुविधा जनक और आधुनिक होते हुए भी बुजुर्गों को अच्छे नहीं लगते, इसका क्या कारण है?

उ०:- विज्ञान के बढ़ते चरणों ने आधुनिक युग के मनुष्यों का जीवन अनेक सुविधाओं से भर दिया है, जैसे मोबाइल, इंटरनेट, अनेक तरह गाड़ियाँ आदि। इन सुविधाओं का गलत ढंग से प्रयोग ही बुजुर्गों की आपत्ति का कारण बनता है। मोबाइल सुनते हुए तेज गति में गाड़ी चलाना और इंटरनेट पर दिखाई जाने वाली अश्लीलता से पुरानी पीढ़ी

Page

खिन्न रहती हैं, क्योंकि यही काम दुर्घटना का कारण बन अकाल मृत्यु को निमंत्रण दे रहे हैं।

प्र०:- इस कहानी के आधार पर यशोधर बाबू के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उ०:- यशोधर बाबू सादगी पसंद व्यक्ति हैं, अपने आदर्श किशन दा का प्रभाव उनमें अंदर तक समाया है। वह बहुत ही ईमानदार एवं सिद्धांतवादी व्यक्ति हैं इसी कारण वह अपने आधुनिक परिवार से दूरी बनाए हैं। उनका परिवार चाहता है कि इन्हें अब स्वयं को बदल लेना चाहिए किन्तु यह अंत तक संभव ही नहीं हो पाया, उन्हें सामाजिक मूल्यों की भी गहरी परख है। वह धार्मिक व्यक्ति भी हैं और चाहते भी हैं कि उनके बच्चे उनसे अपने कार्यों में राय लें, किन्तु परिवार के लोग उनकी राय ठुकरा देते हैं, इसी कारण वह परिवार से तालमेल भी नहीं बैठा पाते हैं।

प्र०:- सिल्वर वैडिंग वर्तमान युग में बदलते जीवन मूल्यों की कहानी है। सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

उ०:- यह कहानी यथार्थ में बदलते जीवन मूल्यों की कहानी है। कहानी का केन्द्रिय चरित्र यशोधर बाबू का अपनी पत्नी और बच्चों से विरोधभाव उनकी पाश्चात्य सभ्यता से विरक्ते भाव

Date
Page 4

को दर्शाता है, वर्तमान समय में धन ही महत्वपू
हो गया है। धन का अभाव ही परिवार के
विघटन का कारक बन रहा है, यशोधर
बाबू के बेटे भूषण में अमीर बनने की आकांक्ष
है तो यशोधर बाबू धन से विशेष लगाव
नहीं रखते हैं, और भूषण अपने पिता की
सामाजिक संबंधों की मर्यादा को भी नकारता है।
इस तरह नई और पुरानी पीढ़ी के बीच
वैचारिक अंतर गहराता जा रहा है।
अतएव यह कहानी सामाजिक मूल्यों के विघ
का यथार्थ चित्रण है।